

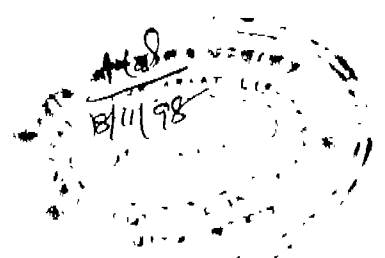


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 361 ]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 10, 1998/ ज्येष्ठ 20, 1920

No. 361 ]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 10, 1998/JYAISTHA 20, 1920

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 जून, 1998

का० आ०-500 (अ).—केन्द्रीय सरकार, जिसकी राय में ऐसा करना आवश्यक हो गया है, विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए "विधि-विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिकरण" का गठन करती है जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायधीश न्यायमूर्ति श्री एस० के० महाजन होंगे।

[फा० सं० I-11034(9)/98-आई एस. डी I (ए)]

संगीता गैरोला, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th June, 1998

S.O. 500 (E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government, being of the opinion that it is necessary so to do, hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal", consisting of Shri Justice S.K. Mahajan, Judge of the Delhi High Court.

[F. No. I-11034/9/98-JS.DI(A)]

SANGITA GAIROLA, Jt. Secy.

